# नाथ कब आओगे

मैं चिठियाँ,,,, हो मैं चिठियाँ,,,,
मैं चिठियाँ लिख लिख हारी,
कब आओगे बाबा पौणाहारी,
हो नाथ कब आओगे, बाबा कब आओगे ,

पहले जै बाबे दी लिखा है ll
फिर चरणों में प्रणाम लिखा है ll
मैंने चिठियाँ पे, चिठियाँ डाली,
हो नाथ कब आओगे, बाबा कब आओगे ll
मैं चिठियाँ लिख लिख,,,,,,,,,,,,,,,,,

दूजी चिठ्ठी में यह लिख डाला ll
घर आओ मेरे रत्नो के लाला ll
तेरे भगतो ने, बाट निहारी,
हो नाथ कब आओगे, बाबा कब आओगे ll
मैं चिठियाँ लिख लिख,,,,,,,,,,,,,,,,,

अब चिठियाँ, और ना लिखेंगे ll
टेलीफोन या, फैक्स अब करेंगे ll
हम डायरेक्ट, बात करेंगे,
हो नाथ कब आओगे, बाबा कब आओगे ll
मैं चिठियाँ लिख लिख,,,,,,,,,,,,,,,,,

बाबा भगतो को भूल ना जाना ll
दुनियाँ मारेगी हमको ताहना ll
हँसी होगी, जग में तुम्हारी,
हो नाथ कब आओगे, बाबा कब आओगे ll
मैं चिठियाँ लिख लिख,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,

धुन- ऐ थेवा मुँदरी दा थेवा
अपलोड कर्ता- अनिल रामूर्ति भोपाल बागहिओ वाले

Source:
https://www.bharattemples.com/nath-kab-aaogye-main-chithiyan-likh-likh-haari/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw